Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

M.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : Fourth

पाश्चात्य दर्शन

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. पाश्चात्य दर्शन के इतिहास में ग्रीक दर्शन का क्या महत्व है? विस्तार से समीक्षा कीजिए।
2. सुकरात व अरस्तू के दर्शन की तुलनात्मक व्याख्या करें।
3. बुद्धिवाद क्या है? पाश्चात्य दर्शन में इस वाद के प्रमुख चिन्तकों का परिचय दें।
4. प्लेटो का दर्शन, जीवन, कृतित्व इन सभी पर विवेचनात्मक टिप्पणी करें।
5. लाइबनित्ज की चिदणु की अवधारणा की विशिष्टता पर प्रकाश डालें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. प्लेटो के जीवन पर सुकरात का क्या प्रभाव था? समीक्षा कीजिए।
7. पाश्चात्य दर्शन में अनुभववाद के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
8. पाश्चात्य दर्शन में बर्कले के अवदान को रेखांकित करें।
9. जान लांक ने दर्शन के क्षेत्र में क्या सिद्धान्त प्रतिपादित किया?
10. कन्फ्यूसियस के दार्शनिक चिन्तन पर अपनी टिप्पणी करें।
11. पाश्चात्य दर्शन में काण्ट के विचारों का क्या महत्व रहा? अपने शब्दों में प्रकट करें।
12. प्रत्यय का सिद्धान्त से आप क्या समझते हैं?

----------x----------